जबलपुर मिलिट्री स्टेशन में अग्निवीरों का छठा बैच पासिंग ऑउट परेड में हुआ शामिल

जबलपुर। ग्रेनेडियर्स रेजिमेंटल सेंटर में 06 दिसंबर 2025 को अग्निवीरों के छठे बैच की भव्य पासिंग आउट परेड (POP) का आयोजन किया गया। कुल 767 अग्निवीर और 86 टेरिटोरियल आर्मी जवानों ने 31 सप्ताह की कठोर प्रशिक्षण अवधि पूरी कर भारतीय सेना में अपने गौरवमयी सफर की शुरुआत की। परेड का निरीक्षण ब्रिगेडियर प्रकाश सिंह राणा ने किया। इस दौरान अग्निवीरों ने अनुशासन, परिशुद्धता और सेवा भावना का शानदार प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण पूरी करने के बाद उन्होंने गीता, कुरान, गुरु ग्रंथ साहिब और बाइबल पर हाथ रखकर देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा की शपथ ली। समारोह में माता–पिता की भावनात्मक उपस्थिति और उनके गौरव के क्षण भी देखने को मिले। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अग्निवीरों को सम्मानित किया गया और 'गौरव पदक' वितरित किए गए। अब ये युवा सैनिक भारत की सीमाओं पर तैनात होकर मातृभूमि की रक्षा करेंगे। समारोह का समापन समूह फोटो और देशभक्ति के जयघोष के साथ हुआ।

जबलपुर–निजामुद्दीन जबलपुर विशेष एक्सप्रेस का संचालन

जबलपुर। यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा 01701/01702 जबलपुर–हजरत निजामुद्दीन–जबलपुर एक्सप्रेस विशेष गाड़ी का संचालन एक-एक फेरे के लिए किया जा रहा है। जबलपुर से प्रस्थानः 07 दिसंबर 2025 को रात 11:45 बजे। मार्ग में कटनी, दमोह, सागर, झांसी, ग्वालियर, आगरा कैंट और मथुरा से गुजरकर अगले दिन 14:15 बजे हजरत निजामुद्दीन पहुंचेगी। वापसी यात्राः हजरत निजामुद्दीन से 08 दिसंबर को दोपहर 15:45 बजे प्रस्थान कर मथुरा, आगरा कैंट, ग्वालियर, झांसी, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा होते हुए अगले दिन सुबह 09:30 बजे जबलपुर पहुंचेगी। कोच संरचनाः 24 कोच — 9 स्लीपर, 4 जनरल, 6 थर्ड एसी, 2 सेकंड एसी, 1 फर्स्ट एसी और 2 **SLR**। यात्रियों के लिए विस्तृत जानकारी रेलवे पोर्टल **www.enquiry.indian-rail.gov.in** पर उपलब्ध है।

प्रताड़ना के आरोप पर चौकी प्रभारी से लो स्पष्टीकरण, सीसीटीवी फुटेज करो पेश

हाईकोर्ट का निवाड़ी एसपी को निर्देश

जबलपुर। एक युवक के पुलिस कस्टडी से भाग जाने पर उसके परिवार वालों ने आरोप लगाया है कि उन्हें परेशान करने में पुलिस कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर परिवार ने हाईकोर्ट की शरण ली है। हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक निवाड़ी को निर्देश दिए हैं कि उक्त आरोपों के संबंध में चकरपुर पुलिस चौकी के एसएचओ नीरज लोधी से स्पष्टीकरण तलब करें। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने चौकी प्रभारी के कक्ष में लगे सीसीटीवी के 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर 2025 के बीच की रिकॉर्डिंग पेश करने के निर्देश दिए।

अगली सुनवाई 20 जनवरी को होगी

निवाड़ी के राजपुरा गांव में रहने वाले ज्ञान सिंह राजपूत व अन्य की ओर से अधिवक्ता संतोष आनंद ने पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि एक लड़की की गुमशुदगी के आरोप में पुलिस ने याचिकाकर्ता के पुत्र रतिराम को 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। रतिराम 5 अक्टूबर को चौकी से भाग गया। इसके बाद पुलिस ने सबसे पहले उसके पिता को 7 अक्टूबर को गिरफ्तार किया और अगले दिन छोड़ा। इतना ही नहीं युवक की मां, भाभियों, जीजा व नाबालिग बच्चों तक को चौकी में बुलाकर मारपीट व मानसिक प्रताड़ना दी। परिजनों के मोबाइल, आईडी रख ली और कहा कि युवक को ढूंढ कर लाओ। पुलिस अधीक्षक को शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं होने पर हाईकोर्ट में याचिकाएं दायर की गईं।

महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और लॉ ऑफिसर्स के खिलाफ दायर याचिका वापस

सुप्रीम ने जताई थी खारिज करने की मंशा

जबलपुर। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश नर्स रजिस्ट्रेशन काउंसिल से जुड़े एक मामले में मध्य प्रदेश के एडवोकेट जनरल प्रशांत सिंह और लॉ ऑफिसर्स द्वारा कथित तौर पर बहुत ज्यादा फीस लिए जाने की जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार किया। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच द्वारा मामला खारिज करने की इच्छा जताने के बाद याचिकाकर्ता ने याचिका वापस ले ली।अधिवक्ता कविता अहिरवार, जीएस उद्दे व ओमप्रकाश पटेल की ओर से सुप्रीम कोर्ट में यह विशेष अनुमति याचिका मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें यह कहते हुए याचिका खारिज कर दी गई कि आरोप बेकार, बेबुनियाद हैं। दरअसल, हाईकोर्ट में नर्सिंग मामलों से जुड़ी एक याचिका पर अंतरिम आवेदन दायर कर आरोप लगाया गया था कि महाधिवक्ता ने सरकारी विभागों में नियुक्त अधिकारियों की ओर से पैरवी की और लाखों रुपए की फीस वसूली। कोर्ट ने कहा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि असल में कितनी फीस दी गई थी या किसी नियम का उल्लंघन हुआ था। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने कुछ दस्तावेज पेश करने के लिए समय मांगा। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि जो याचिकाकर्ता यहां हैं, वे हाईकोर्ट में पक्षकार नहीं थे। उन्होंने कहा कि याचिका को कॉस्ट के साथ खारिज किया जाए। अब याचिकाकर्ताओं का कहना है कि वे इस विषय में शीर्ष अदालत में पृथक से याचिका दायर करेंगे।

बार काउंसिल और अधिवक्ता संघों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग तेज

जबलपुर। संसद और विधानसभा की भांति अब राज्य अधिवक्ता परिषद और अधिवक्ता संघों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग तेज हो गई है। स्टेट बार काउंसिल ऑफ मध्यप्रदेश के वाइस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने कहा कि वर्तमान में महिला अधिवक्ताओं की बढ़ती हुई संख्या को देखते हुए अब यह जरूरी हो गया है कि उनका प्रतिनिधित्व बढ़े। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका लंबित है। इसकी सुनवाई 8 दिसंबर को निर्धारित है। उन्होंने बताया कि इस विषय पर चर्चा करने और कोई निर्णय लेने के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में भी बैठक आयोजित की गई है। यदि सुप्रीम कोर्ट द्वारा आरक्षण संबंधी आदेश आता है तो वह स्वागत योग्य है। उन्होंने यह भी कहा कि हाईकोर्ट एवं सुप्रीम कोर्ट में भी महिला जजों के लिए भी 33 फीसदी आरक्षण होना चाहिए।

टेलीकॉम फैक्ट्री भूमि पर कमर्शियल एक्टिविटी की मांग गलत

हाईकोर्ट के निर्देशानुसार अब यह भूमि ग्रीन बेल्ट घोषित होगी

जबलपुर। टेलीकॉम फैक्ट्री के भूमि पर कमर्शियल एक्टीवीटी की मांग गलत है, यह बताते हुए डॉ पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने जानकारी दी है कि हाईकोर्ट ने टेलीकॉम फैक्ट्री के भूमि को जबलपुर के नए मास्टर प्लान के ग्रीन बेल्ट में शामिल करने की प्रार्थना स्वीकारते हुए अंतरिम आदेश जारी किया है। उन्होंने कलेक्टर को पत्र सौंपते हुए बताया कि जबलपुर मास्टर प्लान के सिलसिले में मप्र हाईकोर्ट में दायर जनहित याचिका (डब्ल्यूपी 27383/2024) में जानकारी प्रस्तुत की गई है कि टेलीकॉम फैक्ट्री की 70 एकड़ भूमि में लगभग 20 हजार पेड़ का अर्बन फॉरेस्ट बना हुआ है। इससे ऑक्सीजन टैंक बना है। अतः इसे ग्रीन बेल्ट घोषित कर वहां पर इकोलॉजी पार्क बनाने का मार्ग प्रशस्त किया जाए।

फैक्ट्री भूमि बेचने के विरोध में हस्तक्षेप याचिका

भारत संचार निगम ने मप्र हाईकोर्ट में याचिका (डब्ल्यूपी 2539/2023) दायर कर टेलीकॉम फैक्ट्री के भूमि को बेचने की अनुमति मांगी है। डॉ.पीजी नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने हाईकोर्ट में हस्तक्षेप याचिका 9 अगस्त 2024 को दायर कर टेलीकॉम फैक्ट्री भूमि बेचे जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने दलील पेश की है कि यदि यह भूमि बेची जायेगी तो वहां के 20 हजार पेड़ कांटे जायेंगे तथा ऑक्सीजन टैंक नष्ट हो जायेगी। इससे जबलपुर निवासियों का नुकसान होगा।

सिंगल यूज प्लास्टिक का उत्पादन, भंडारण, परिवहन, और क्रय विक्रय किया प्रतिबंधित

निगमायुक्त द्वारा जारी किया गया प्रतिबंधात्मक आदेश

जबलपुर। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने शासन के निर्देशों के अनुरूप नगर निगम सीमा के भीतर सिंगल यूज प्लास्टिक पर तत्काल प्रभाव से पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। यह सख्त आदेश पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 की धारा 5 के अंतर्गत जारी किया गया है। निगमायुक्त अहिरवार ने स्पष्ट किया कि अब नगर निगम क्षेत्र में पॉलीस्टाइरीन और विस्तारित पॉलीस्टाइरीन वस्तुओं सहित 19 चिन्हित सिंगल यूज प्लास्टिक वस्तुओं का निर्माण, आयात, भंडारण, वितरण, क्रय, विक्रय और उपयोग पूरी तरह से प्रतिबंधित होगा। प्रतिबंध के दायरे में 4 प्रमुख श्रेणियाँ निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि प्रतिबंधित 19 वस्तुओं को 4 मुख्य श्रेणियों में विभाजित किया गया है, जिसमें स्टिक्स के अंतर्गत इयर बड्स, गुब्बारों के लिए प्लास्टिक स्टिक्स, आइसक्रीम स्टिक्स और कैंडी स्टिक्स। कटलरी के अंतर्गत प्लास्टिक के कप, प्लेट, गिलास, कांटे, चम्मच, चाकू, ट्रे, स्ट्रॉ और स्टिरर। रैपिंग/पैकेजिंग फिल्म के अंतर्गत मिठाई के डिब्बे, निमंत्रण पत्र और सिगरेट पैकेट को रैप करने वाली प्लास्टिक फिल्म एवं अन्य वस्तुएं जिसमें प्लास्टिक के झंडे, थर्मोकोल की सजावटी सामग्री, और 120 माइक्रोन से कम मोटाई वाले प्लास्टिक या पीवीसी बैनर आदि। इस प्रतिबंध के सख्त प्रवर्तन को सुनिश्चित करने के लिए निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने विशेष निरीक्षण दलों का गठन किया है। ये दल शहर भर में व्यापारियों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों और आम जनता के बीच आदेश के अनुपालन की निगरानी करेंगे।नियमों का उल्लंघन करने पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। जैव अनाश्य अपशिष्ट अधिनियम, 2004 के प्रावधानों के अनुसार, उल्लंघनकर्ता पर मौके पर ही (स्पॉट फाइन) जुर्माना लगाया जाएगा और प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक सामग्री को तुरंत जब्त कर लिया जाएगा।

साप्ताहिक बाजार भूमि पर अतिक्रमण की भरमार, नगर परिषद मौन

बरेला। नगर परिषद बरेला के थाने के सामने स्थित साप्ताहिक हाट बाजार, जहाँ पहले छोटे दुकानदार झोपड़ियों में व्यापार करते थे, अब गंभीर अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा है। नगर परिषद ने लगभग 55 लाख रुपये की लागत से व्यापारियों के लिए सेट निर्माण किए थे, लेकिन बाजार स्थल के चारों ओर फैले अतिक्रमण ने बाजार को संकुचित कर दिया है, जिसके कारण दुकानें सड़क तक फैल गई हैं। मुख्य मार्ग दोनों ओर अस्थायी दुकानों से घिर गया है। बाजार के प्रवेश द्वार पर पान ठेले, गुमटियाँ और पक्के निर्माण होने से हालत यह है कि दो हाथ ठेले भी साथ नहीं निकल पाते। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का आरोप है कि नगर परिषद के अधिकारी केवल टैक्स वसूल कर लौट जाते हैं, लेकिन अतिक्रमण हटाने पर कोई कार्रवाई नहीं करते। जनप्रतिनिधि भी बार-बार बाजार आने के बावजूद समस्या को अनदेखा कर रहे हैं। जागृति समाज कल्याण समिति के अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने बताया कि 90 के दशक में किए गए आंदोलन के बाद अतिक्रमण हटाया गया था, लेकिन अब फिर से अस्थायी कब्जे स्थाई रूप लेने लगे हैं। नगरवासियों और समिति ने नगर परिषद से तत्काल कार्रवाई कर साप्ताहिक बाजार भूमि को अतिक्रमण मुक्त कर सुरक्षित बनाने की मांग की है।

एटीएस अफसर बनकर की ठगी

जबलपुर। खाते में 70 लाख रुपए कमीशन आया है में एटीएस (एंटी टेरीरिज्म स्कावड) से बोल रहा हूं, आप संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त है आपको किसी से बात नहीं करना है कार्रवाई से बचना है तो बताए गए खाते में पैसे भेजो वरना कार्रवाई की जाएगी, कुछ इस तरह की धमकी देकर सायबर ठग ने खुद को एटीएस का अफसर बताकर वृद्ध को ठग लिया और साढ़े 22 लाख रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। मदनमहल पुलिस ने लिखित शिकायत जांच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है। घटना के संबंध में मदनमहल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष विला नेपियर टाउन निवासी 73 वर्षीय अविनाश चंद्र दीवान के मोबाइल पर दिसंबर को दोपहर लगभग 12 बजे व्हाटसएप कॉल आया, जिसमें कॉल करने वालें ने धमकाया कि आप संदिग्ध गतिबिधियों में लिप्त हैं मैं महाराष्ट्र एटीएस से बोल रहा हूं आपके खाते में 70 लाख रुपए कमीशन आया है। जबकि खाते में एक रुपए भी नहीं आया। दूसरे दिन ठग ने फिर फोन किया और बोला कि मैं जूनागढ़ गुजरात से चुन्नीलाल राव जी भाई बोल रहा हूं और अपना एकाउंट नंबर और आईएफसी कोड दिया, वृद्ध ने डर के मारे उसके खाते में 10 लाख रुपए डाल दिए। उसके बाद ठग हर आधे घंटे में फोन कर धमकाने लगा। 3 दिसंबर को फिर आरटीजीएस के माध्यम से 7 लाख रुपए उसी एकाउंट नंबर में डाले और हरीशचंद्रा के नाम 1 लाख पेटीएम किया। इसके बाद प्रापर्टी सीज करने की धमकी दी 5 दिसंबर को फिर वृद्ध ने अपनी पत्नी सविता दीवान के एकाउण्ट से समीर दुलाई के नाम से एकाउण्ट नम्बर में 4 लाख 55 हजार रूपये ट्रांसफर किये। पुलिस ने इस मामलें में वृद्ध की लिखित शिकायत पर अज्ञात मोबाइल धारक के विरूद्ध धारा 318(4), 308(2) बीएनएस तथा 66(डी) आईटी एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

जाड़े के कहर से जनजीवन प्रभावित, पारा 7 डिग्री पर

जबलपुर। उत्तर भारत से आ रहीं शीतल बयारों से जाड़ा जोर मार रहा है। पारा प्रतिदिन नीचे खिसक रहा है। इस सीजन का सबसे ठंडा दिन और सबसे ठंडी रात शनिवार को दर्ज की गई, जब पारा 7 डिग्री पर आ गया। कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित हो गया। दिन भर शीतल हवाएं चलती रहीं। शाम ढलते ही ठण्ड ने जोर मारना शुरू कर दिया। ठण्ड तेज होने से रात को बाजार जल्दी बंद होने लगे हैं, सड़कें वीरान हो जातीं हैं। पिछले तीन दिनों से ठण्ड लगातार बढ़ती जा रही है। मौसम के तेवरों ने पहली बार यह आभास कराया है कि ठण्ड आ गई। पिछले 3 दिनों से पारा लगातार गिर रहा है। बीती रात इस सीजन की सबसे सर्द रात रही पारा 7 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग का करना है कि ठण्ड के तेवर अगले कुछ दिनों में और तीखे होंगे। मौसम कार्यालय के मुताबिक उत्तर भारत से आ रही शीतल हवाओं ने कड़के की ठण्ड का एहसास कराया और तापमान को नीचे धकेला। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 25.1 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 1 डिग्री कम दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 3 डिग्री कम था। हवा में नमीं प्रातःकाल 81 प्रतिशत और सायंकाल 56 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 6:39 पर और सूर्यास्त सायं 5:25 मिनिट पर हुआ। उत्तर पूर्वी हवाएं 2 से 3 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चली। प्रदेश में सबसे कम 4 डिग्री तापमान कल्याणपुर, शहडोल जिले में दर्ज किया गया।

लंबित राजस्व प्रकरण समय-सीमा में निपटें

जबलपुर। जिले के राजस्व तंत्र को अधिक चुस्त-दुरुस्त और जवाबदेह बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्ट्रेट में राजस्व अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित राजस्व प्रकरणों के समय-सीमा में और गुणवत्तापूर्ण निराकरण को लेकर स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व अमला उपस्थित रहा। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों से क्षेत्र में नियमित फील्ड विजिट करने और राजस्व सेवाओं की पारदर्शिता एवं उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया।कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि आरसीएमएस में रोजाना जितने नए राजस्व प्रकरण दर्ज हो रहे हैं, उससे अधिक संख्या में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि पेंडेंसी किसी भी स्थिति में बढ़नी नहीं चाहिए और हर तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार इसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी तय करें। बैठक में नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के प्रकरण, किसानों के ई-केवाईसी और खसरे में आधार लिंकिंग, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, धारणाधिकार एवं अवमानना से जुड़े प्रकरण, राजस्व रिकॉर्डों का डिजिटाइजेशन, भू-अर्जन और भूमि आवंटन मामलों की प्रगति आदि विषयों पर मंथन हुआ।कलेक्टर ने कहा कि प्रत्येक राजस्व प्रकरण सीधे जनता के जीवन और अधिकारों से जुड़ा होता है, इसलिए इनका समाधान समयबद्ध और त्रुटिरहित होना चाहिए।

सीएम हेल्पलाइन पर सख्ती

तहसीलवार समीक्षा में कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण 'गुणवत्ता' और 'आवेदक की संतुष्टि' के आधार पर किया जाए। सिर्फ 'डिस्पोजल' दिखाने के लिए की गई औपचारिक कार्रवाई स्वीकार नहीं होगी।

सिकमी सत्यापन पर निगरानी के निर्देश

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि धान उपार्जन सीजन को देखते हुए अवैध भंडारण पर सतत निगरानी रखी जाए। साथ ही सिकमी सत्यापन और एसआईआर प्रकरणों पर तेजी से कार्रवाई करने को कहा गया।

बारात घर संचालकों की लापरवाही पर सवाल

न अग्नि शमन की व्यवस्था, न ही सुरक्षा के मानक पूरे

जबलपुर। निकाह, विवाह, वलीमा, रिसेप्शन ये ऐसे कार्यक्रम होते हैं जहाँ एक-एक वक्त में हज़ार-हज़ार लोग एक जगह मौजूद होते हैं। यदि कोई हादसा हो जाए तो एक साथ कितनी जानें जा सकती हैं यह सोचकर ही रूह काँप जाती है। यह बात वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व पार्षद सैय्यद ताहिर अली ने कही।उन्होंने आगे कहा, मुस्लिम क्षेत्रों के हों या शहर के दूसरे हिस्सों के आज बारातघर संचालकों की मनमानी और लापरवाही इतनी बढ़ गई है कि किसी भी खौफ़नाक हादसे की संभावना लगातार बढ़ रही है।श्री ताहिर ने बताया, न अग्निशमन की व्यवस्था है, न लाइटिंग और सजावट में सुरक्षा मानक पूरे हो रहे हैं। एक बार लाइट लगाकर, टेंट लगाकर महीनों तक बिना मेंटेनेंस के खुले आसमान के नीचे कार्यक्रम चलाना यह सीधे-सीधे एक बड़े हादसे को दावत देने जैसा है। बारातघर वाले करोड़पति हो रहे हैं और आम नागरिक मौत के मुँह की ओर धकेले जा रहे हैं।

जिम्मेदारों की चौंकाने वाली खामोशी

श्री ताहिर ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में सबसे भ्रष्ट और चौंकाने वाला रवैया नगर निगम और पुलिस प्रशासन का है। वहीं जिला प्रशासन की उदासीनता भी हैरान करने वाली है।

जिला प्रशासन से गुहार

श्री ताहिर ने कलेक्टर से अपील की है कि इस दिशा में तत्काल ध्यान दें, वरना जबलपुर शहर किसी ऐसे हादसे का गवाह बनेगा, जिसकी दर्दनाक मिसाल दशकों तक पूरे देश में दी जाती रहेगी।

सांसद ने दी उत्तर एवं पूर्व विधानसभा में 1 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

जबलपुर। लोकसभा सांसद आशीष दुबे के द्वारा शनिवार को जबलपुर संसदीय क्षेत्र की उत्तर मध्य एवं पूर्व विधानसभा में अनेक विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया जिसमें प्रमुख रूप से सामुदायिक भवन निर्माण,शेड निर्माण, सी सी रोड,रंगमंच आदि के मिलाकर लगभग 1 करोड़ 11 लाख से ज्यादा के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया इस दौरान विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय,पूर्व मंत्री अंचल सोनकर,नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज,पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले ,एम आई सी राम सोनकर उपस्थित रहे। विकासकार्यों के भूमिपूजन के अवसर पर सांसद आशीष दुबे ने कहा कि जबलपुर संसदीय क्षेत्र का समग्र विकास करना हमारा लक्ष्य है जनता से जुड़े प्रत्येक विकासकार्य को प्राथमिकता के साथ पूर्ण किया जाएगा, सांसद श्री दुबे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव पंक्ति के अंतिम व्यक्ति तक की चिंता करने का कार्य करती है इसका साक्षात प्रमाण हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा चलाई जा रही जनहितैषी एवं जनकल्याणकारी योजनाएं हैं जिनके माध्यम से जनसामान्य के जीवन में अनेक सकारात्मक परिवर्तन आए हैं, उन्हीं से प्रेरणा लेकर आज जबलपुर उत्तर मध्य एवं पूर्व विधानसभा

में जनता से जुड़े अनेक विकास कार्यों का भूमिपूजन किया इन विकास कार्यों में आज सामुदायिक भवन, सी सी रोड,रंगमंच निर्माण के लगभग 1 करोड़ 11 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया है तथा व्यवस्थित और गुणवत्तापूर्ण विकास ही हमारी प्राथमिकता है। विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय ने बताया कि उत्तर मध्य विधानसभा में लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं जिसके लिए मैं देवतुल्य जनता का अभिनन्द करता हूं कि उन्होंने विकास को चुना भारतीय जनता पार्टी को चुना और अपना आशीर्वाद प्रदान किए जिसके कारण ही हम इन कार्यों को लगातार करते जा रहे हैं,आज हमें सांसद श्री आशीष दुबे जी के सहयोग से अनेक विकास के कार्यों की सौगात प्राप्त हुई है जिसके लिए हम माननीय सांसद जी का आभार और धन्यवाद भी ज्ञापित करते हैं। इस दौरान मंडल अध्यक्ष अमर पटेल,दिलीप पटेल,अमित राय,ऋषि सोनकर,मोनिका पुष्पेंद्र सिंह,सोनिया रंजीत सिंह,अंशुल राघवेंद्र यादव कमलेश अग्रवाल,श्री राम शुक्ला,अतुल जैन आदि पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन उपस्थित थे।

गजरथ महोत्सवः आचार्यश्री समयसागर महाराज के सानिध्य में किया गया सात रथों का संचालन

जबलपुर। बड्डा दद्दा मैदान में चल रहे पवित्र गजरथ महोत्सव ने शनिवार को सूर्योदय के साथ भव्य स्वरूप ले लिया। पक्षियों की चहचहाट और लालिमामयी प्रभात के बीच आचार्य श्री समयसागर महाराज के सानिध्य में यह आयोजन ऐतिहासिक ऊँचाई पर पहुँचा। महोत्सव के छठवें दिन देशभर से श्रद्धालुओं का आगमन लगातार बढ़ रहा है, और लगभग दो लाख से अधिक लोगों के पहुँचने का अनुमान है। गजरथ स्थल हजारों केसरिया पताकाओं और इन्द्र-इन्द्राणियों के पारंपरिक परिधानों से केसरिया रंग में रंग उठा। भगवान श्री जी का इन्द्र-इन्द्राणियों द्वारा पूजन, अभिषेक, शांतिधारा, शांति हवन तथा आचार्यश्री का विशेष पूजन संपन्न हुआ। नवदीक्षित मुनिराज आदि कुमार को आहार देने का सौभाग्य राजा श्रेयांस को प्राप्त हुआ। समवशरण का अनावरण पवन ने किया तथा आरती अनिल जैन गोटेगांव द्वारा की गई। सांसद आशीष दुबे ने पहुँचकर आचार्यश्री को श्रीफल अर्पित किया और उन्हें गजरथ समिति द्वारा सम्मानित किया गया। मंच पर पूर्व राज्यमंत्री शरद जैन उपस्थित रहे। दोपहर में राज्यमंत्री लखन पटेल, पूर्व वित्तमंत्री जयंत मलैया, विधायक अभिलाष पांडे, पूर्व मंत्री तरुण भनोत और लखन घनघोरिया ने आचार्यश्री के दर्शन कर सम्मान प्राप्त किया। आचार्यश्री समयसागर महाराज ने अपने प्रवचन में वैराग्य, तप और ऋषभदेव भगवान की साधना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जब तक इंद्रिय विषयों से दृष्टि हटकर अंतर की ओर नहीं होती, तब तक वैराग्य उत्पन्न नहीं होता। उन्होंने बताया कि आदि प्रभु ने राजवैभव त्यागकर कठिन तप द्वारा छह माह का अनशन किया और परिषहों पर विजय पाई।

महाराष्ट्र शिक्षण मंडल के स्थापना शताब्दी समारोह अंतर्गत लगाया गया आत्मनिर्भर आनंद मेला

जबलपुर। संस्कारधानी का सुप्रसिद्ध शिक्षा संस्थान, महाराष्ट्र शिक्षण मंडल अपनी स्थापना का शताब्दी समारोह मना रहा है। इस समारोह के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला में दिनांक 06 दिसंबर 2025 से महाकोशल विद्यालय परिसर, गोल बाजार में दो दिवसीय "आत्मनिर्भर आनंद मेले" का उद्‌घाटन अभिलाष पांडे, विधायक मध्य क्षेत्र के करकमलों से सुबह 12.00 बजे संपन्न हुआ। समारोह में शिक्षण मंडल के अध्यक्ष डॉ. जयंत तनखीवाले, उपाध्यक्ष उदय परांजपे, सचिव प्रमोद पाठक, उत्सव समिति के उपाध्यक्ष अनिल राजुरकर, सचिव अविनाश हलबे, सह सचिव अजय भालेराव, पूर्व छात्र प्रभारी दीपक उबाले, मेला संयोजक मनोज चौधरी, नितिन उपाध्ये, लीना वाते, सोनल उज्जैनकर के साथ ही शिक्षण मंडल की सभी शिक्षा संस्थाओं के प्राचार्य, शिक्षक एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। मेले में कई गृह उपयोगी एवं सजावट की वस्तुएं, विद्युत उपकरण, जनसेवा संबंधी एवं खाद्य पदार्थों के स्टॉल लगे हुए हैं, जिनमें भारी जनसमूह रुचि ले रहा है। इसके अलावा मेला परिसर में मंडल के अंतर्गत कार्यरत सभी शिक्षण संस्थाओं के पूर्व एवं वर्तमान छात्रों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसका संयोजन मंडल की शिक्षिकाएं श्रद्धा पाठक, रेखा पटेल, जयश्री दीक्षित, अर्चना साने एवं हेमलता बेहरे ने किया। मेले में शाम को रंगारंग कार्यक्रम एवं हाऊजी का भी आयोजन किया गया।

भगवान दत्तादेय जयंती पर समरसता सेवा संगठन ने विचार गोष्ठी आयोजित कर किया पौधारोपण

जबलपुर। समरसता सेवा संगठन ने भगवान दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर अग्रवाल धर्मशाला, ग्वारीघाट में विचार गोष्ठी और पौधारोपण का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आदित्य मिश्रा ने समाज, संस्कृति, अध्यात्म और राष्ट्र के बोध पर जोर देते हुए कहा कि देश में समरसता लाने के लिए इसे अपने व्यवहार में अपनाना जरूरी है। विशिष्ट अतिथियों में एड. सतेंद्र ज्योतिषी और विहिप प्रांत मंत्री प्रदीप गुप्ता शामिल थे। उन्होंने कहा कि समाज में बंटवारे और व्यक्तिगत स्वार्थ के कारण दूरियां बढ़ी हैं, लेकिन समरसता के भाव को जागृत करना ही देश को समर्थ बनाने का मार्ग है। कार्यक्रम में उपस्थितजनों ने नर्मदा उद्यान में कोविदार (कचनार) के पौधे का रोपण भी किया। दत्त भजन मंडल के अध्यक्ष विजय भावे ने कहा कि समरसता का मंत्र छत्रपति शिवाजी महाराज के समय से ही समाज को एकजुट करने का मार्ग दिखाता रहा है। संगठन के अध्यक्ष संदीप जैन ने आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का संचालन धीरज अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर सैकड़ों नागरिक और समाजसेवी उपस्थित रहे।

बसपा ने डॉ. भीमराव आम्बेडकर को दी श्रद्धांजलि

जबलपुर। डॉ. भीमराव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर 06 दिसम्बर को बीएसपी की रैली जबलपुर से सिवनी के लिए रवाना की गई। बसपा बालाघाट/ जबलपुर जोन के तत्वावधान में सिवनी में 06 दिसम्बर को मध्यान्ह 12 बजे कचहरी चौक रानी दुर्गावती प्रतिमा के पास भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. भीमराव आम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा व विचार संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बालकिशन चौधरी तथा विशिष्ट अतिथि उमाकांत बंदेवार, रामजी सतनामी, आजाब शास्त्री, ज्ञानेश्वर गजभिये, विशेष अतिथि डीएल बकौडे, तामसिंह परते, राकेश चौधरी, मानकलाल गोंटिया, दीपक मेश्राम, दुर्गेश बिसेन, एड. सीताराम कटारे, एड. राजेन्द्र साहू, इंदरसिंह उइके, उत्तम जाटव, लालसिंह गौतम, प्रेमनारायण जाटव सहित अन्य उपस्थित रहे।

एवीएनएल की सभी इकाईयों से शामिल होंगे खिलाड़ी

व्हीएफजे में 13 से 18 दिसम्बर तक आयोजित होगा एवीएनएल चेयरमैन कप

जबलपुर। व्हीकल फैक्टरी जबलपुर में 13 दिसम्बर से 18 दिसम्बर 2025 तक एवीएनएल चेयरमैन कप 2025 का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन में क्रिकेट, बिलियर्ड्स, स्नूकर, बैडमिंटन, बॉस्केटबॉल, शतरंज, टेबल टेनिस एवं कैरम की खेल प्रतियोगिताओं में एवीएनएल के अधीनस्थ कार्यरत सभी रक्षा उत्पादन इकाईयों के खिलाड़ी अपनी प्रतिभा एवं कौशल का प्रदर्शन करेंगे। एवीएनएल चेयरमैन कप आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (एवीएनएल) चेन्नई द्वारा स्थापित एक उत्कृष्ट मंच है, जिसमें एवीएनएल के अधीन विभिन्न रक्षा उत्पादन इकाईयों में कार्यरत कर्मचारी आपसी भाईचारा, टीम बिल्डिंग, पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एवं अनुशासन का पालन करते हुए न केवल अपनी उत्पादकता एवं कार्यक्षमता में वृद्धि करते हैं अपितु अपनी निर्माणी एवं संगठन को भी सशक्त एवं सुदृढ़ बनाते हैं। इस प्रकार के खेल आयोजनों से कार्मिकों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और ये नई ऊर्जा, आत्मविश्वास एवं एक स्वस्थ जीवनशैली के साथ अपना कार्य पूरा कर पाते हैं। उपरोक्त बातों को ध्यान में रखते हुए व्हीएफजे में एवीएनएल चेयरमैन कप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। 13 दिसम्बर 2025 को व्हीएफजे के मुख्य महाप्रबंधक प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में एवीएनएल चेयरमैन कप 2025 का शुभारंभ किया जाएगा, जबकि 18 दिसम्बर 2025 को भव्य समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का संपन्न होगा।

होम गार्ड का 79वां स्थापना दिवस मनाया गया

जबलपुर। शहर में होम गार्ड का 79वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया, जहां मंगेली स्थित मुख्यालय में होम गार्ड के जवानों ने शानदार परेड की और स्कूली छात्र-छात्राओं ने मनमोहक नृत्यों की प्रस्तुति दी। इस दौरान बरगी के भाजपा विधायक नीरज सिंह ने परेड की सलामी लेकर गृहमंत्री के संदेश का वाचन किया, तो वहीं इस होम गार्ड तथा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस के कार्यक्रम में केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान की कमांडेंट प्रीति बाला सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

निकली स्वदेशी रथ यात्रा

जबलपुर। कैट (भारतीय व्यापारी संघ) और स्वदेशी जागरण मंच द्वारा जबलपुर में आयोजित स्वदेशी रथ यात्रा बड़ी उत्साहपूर्ण और ऐतिहासिक रही। सांसद आशीष दुबे ने यात्रा का शुभारंभ किया तथा नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज ने "स्वदेशी अपनाओ–मेड इन इंडिया" का संदेश दिया। गोल बाजार से शुरू हुई यात्रा का शहरभर मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लाडगंज, कमरिया गेट, कोतवाली आदि स्थानों पर नागरिकों, व्यापारियों एवं सामाजिक संगठनों ने फूल वर्षा और स्वागत के साथ जोरदार समर्थन किया। सराफा बाजार चौक में आयोजित सामूहिक शपथ ग्रहण में हजारों लोगों ने "स्वदेशी अपनाओ–देश बनाओ" का संकल्प लिया। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष राजा सराफ और अजय बख्तावर सहित कई व्यापारिक संगठनों ने भागीदारी की। रथ यात्रा शहर के प्रमुख बाजारों और क्षेत्रों से होते हुए रांझी पहुँची, जहाँ विधायक अशोक रोहाणी की उपस्थिति में इसका समापन हुआ। कैट के प्रदेश पदाधिकारी राजीव खंडेलवाल, गोविंददास असाटी, तथा जबलपुर अध्यक्ष राजीव बड़ेरिया एवं जितेंद्र पचौरी सहित अनेक पदाधिकारियों और सामाजिक संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। कैट और स्वदेशी जागरण मंच ने सभी नागरिकों, व्यापारियों, सामाजिक संगठनों एवं युवाओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जबलपुर ने स्वदेशी आत्मनिर्भर भारत अभियान को नई शक्ति प्रदान की है।

सिहोरा को जिला बनाने की मांग हुई तेज

आरएसएस के पूर्व प्रचारक ने त्यागा अन्न, बस स्टैंड पर क्रमिक अनशन जारी

सिहोरा को जिला घोषित करने की मांग अब पूर्ण जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। शनिवार को आरएसएस के पूर्व प्रचारक प्रमोद साहू ने अपनी घोषणा अनुसार अन्न त्यागकर सत्याग्रह शुरू कर दिया। वहीं पुराने बस स्टैंड में लगातार चार दिनों से क्रमिक अनशन जारी है। आंदोलन के पहले दिन काल भैरव चौक पर सद्बुद्धि यज्ञ किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने जिले की मांग को बुलंद किया।

मुस्लिम समाज की भागीदारी

नासिर खान, गुड्डू कुरैशी, यार मुहम्मद, नजीम मंसूरी, मौलाना मुहम्मद यूसुफ सहित अनेक सदस्यों ने चौथे जत्थे के रूप में अनशन में बैठकर यह संदेश दिया कि यह आंदोलन किसी एक वर्ग का नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज का है।

सरकार की अनदेखी से बढ़ा जनाक्रोश

जनता और आंदोलनकारियों का आरोप है कि सरकार वर्षों से सिहोरा की मांग की अनदेखी कर रही है। चेतावनी दी गई है कि यदि 9 दिसंबर तक निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलनकारी अन्न के साथ जल त्यागकर आमरण सत्याग्रह प्रारंभ करेंगे। धरना स्थल पर हर दिन बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए चिंता का विषय बन गई है।

व्यापारियों का समर्थन, हर दुकान पर लगे बैनर

शहर की सभी छोटी-बड़ी दुकानों पर "सिहोरा जिला बनाओ" के बैनर लगा दिए गए हैं। व्यापारियों ने 9 दिसंबर से अनिश्चितकालीन सिहोरा-खितौला बंद की घोषणा भी कर दी है। उनका कहना है कि विखंडन के बाद व्यापार ठप हो गया, लेकिन सरकार लगातार उपेक्षा कर रही है। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश पांडेय, ब्राह्मण समाज अध्यक्ष राकेश पाठक सहित कई नेता ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर पर्चे बांट रहे हैं और जिला आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। सिहोरा का जिला आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुँच चुका है।

मदर टैरेसा नगर में सीमेंट रोड के लिए हुआ भूमि पूजन

जबलपुर। शनिवार सांसद मद से 22 लाख रुपए की लागत से 275 मीटर की आरसीसी रोड का पंडित दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के अंतर्गत मदर टैरेसा नगर में भव्य भूमि पूजन जबलपुर के सांसद आशीष दुबे के साथ उत्तर मध्य विधानसभा के विधायक डॉ. अभिलाष पांडे, निगम के अध्यक्ष रिंकू बिज, पार्षद मोनिका पुष्पेंद्र सिंह के द्वारा किया गया। साथ में उपस्थित रहे साथी पार्षद कमलेश अग्रवाल, मधुबाला राजपूत, रेणु कोरी, अतुल जैन दानी, पूर्व पार्षद एवं एमआईसी श्रीराम शुक्ला, मंडल के महामंत्री राजेश तिवारी,रवि संतोषी, दीनदयाल उपाध्याय वार्ड के सभी बूथ अध्यक्ष मंडल के पदाधिकारी भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ क्षेत्रीयजनों की उपस्थिति रही।

अग्निवीरों का वराह नगरी मझौली में धूमधाम से स्वागत

मझौली। नगर में भारतीय सेना के दो नव अग्निवीर शिवांश दुबे (पुत्रः बबलू दुबे) और ओम साहू (पुत्रः राजेश साहू, कपड़ा व्यापारी) का भव्य स्वागत किया गया। दोनों युवाओं का पिछले वर्ष अग्निवीर योजना में चयन हुआ था और सात माह की ट्रेनिंग पूर्ण कर वे पहली बार अपने नगर पहुँचे। नागरिकों ने फूलमालाओं और पुष्पवर्षा कर दोनों का हर्षोल्लास के साथ अभिनंदन किया। दोनों अग्निवीरों ने बताया कि वे अपने साथी अग्निवीर देवा चक्रवर्ती से प्रेरित होकर सेना में शामिल हुए। नगरवासियों ने इस गौरवपूर्ण क्षण पर गर्व व्यक्त किया। क्षेत्रीय विधायक अजय बिश्नोई ने वीडियो कॉल के माध्यम से बधाई देते हुए शीघ्र मिलने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर केशव तिवारी, अनुराग दुबे, महेंद्र कोस्टा, अंचल साहू, आशीष तिवारी, योगेश चक्रवर्ती, देवराज मन्नेवार, हर्षराज सराफ, गुड्डू राय, प्रभु दुबे, बिहारीलाल साहू, संजू दुबे सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।

मिस्पा मिशन स्कूल में बच्चे को पीटने का मामला

जांच के लिए शिक्षा विभाग की टीम पहुँची, विश्व हिंदू परिषद व अभिभावक बोले हो निष्पक्ष कार्रवाई

पाटन। मिस्पा मिशन स्कूल में बच्चे को भगवान राम का नाम लेने पर पीटने का आरोप सामने आने के बाद शुक्रवार दोपहर शिक्षा विभाग की टीम स्कूल पहुँची। टीम ने छात्र-छात्राओं और शिक्षकों से बयान लेकर पूरे प्रकरण की जाँच की। इससे पहले बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और अभिभावक संगठनों ने प्रदर्शन करते हुए स्कूल संचालक के विरुद्ध मामला दर्ज कराया था। शिकायत शिक्षा विभाग तक पहुँचने पर यह कार्रवाई की गई। विकासखंड शिक्षा अधिकारी गौतम बर्वे ने बताया कि टीम ने जाँच पूर्ण कर ली है और प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपा जाएगा, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई तय होगी। इसी बीच अभिभावक, विहिप और बजरंग दल निष्पक्ष जाँच की मांग पर अडिग हैं।

निधन

श्री भूपिन्दर पाल सिंह जस्सल- गुरूदेव कॉलोनी बेदी नगर निवासी श्री भूपिन्दर पाल सिंह जस्सल (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री हंसराज कुमार- एलआईजी 54, पीपी कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री हंसराज कुमार (95) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र चौधरी- रामहरख का बगीचा नेहरू वार्ड निवासी श्री राजेंद्र चौधरी (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती जलेबी देवी द्विवेदी- शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री त्रिलोकी नाथ द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती जलेबी देवी द्विवेदी (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री जमुना प्रसाद सतनामी- नई बस्ती कांचघर निवासी श्री जमुना प्रसाद सतनामी (72) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री संजय सिंह- एपीआर कॉलोनी 1, बिलहरी निवासी श्री संजय सिंह (53) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री गुलाब सिंह ठाकुर- ईसाई मोहल्ला गोरखपुर निवासी श्री गुलाब सिंह ठाकुर (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राम खिलावन उरमलिया- शंकर नगर सुहागी निवासी श्री राम खिलावन उरमलिया (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुशीला अग्रवाल- पारस कॉलोनी चेरीताल परिजात बिल्डिंग रोड निवासी श्री वल्लभदास अग्रवाल की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला अग्रवाल (84) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती सुशीला यादव- सैनिक सोसायटी बदनपुर शक्तिनगर निवासी श्री भुवन लाल यादव की धर्मपत्नी श्रीमती सुशीला यादव (64) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लीला बाई साहू- गोरखपुर लोधी मोहल्ला निवासी श्री तुलसी राम साहू की धर्मपत्नी श्रीमती लीला बाई साहू का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री बाल मुकुंद चौधरी- माहेश्वरी कॉलोनी पिंक सिटी बिलहरी निवासी श्री बाल मुकुंद चौधरी (54) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती केशर बाई- लालमाटी गोपाल होटल चांदमारी रोड निवासी श्री राम दास की धर्मपत्नी श्रीमती केशर बाई (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती नरबदिया बाई- एंपायर के पीछे सदर निवासी श्री गोपाल की धर्मपत्नी श्रीमती नरबदिया बाई (75) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गेंदा बाई बेन- रामपुर बेन मोहल्ला निवासी श्री अजय बेन की धर्मपत्नी श्रीमती गेंदा बाई बेन (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री अनिल पटेल- जवाहर नगर अधारताल निवासी श्री भगवान दास पटेल के पुत्र श्री अनिल पटेल (39) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम चरण विश्वकर्मा- खुरखुर बावली के पास खेरमाई वार्ड निवासी श्री राम चरण विश्वकर्मा (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री अशोक पाठक- रामजी पटेल का बाड़ा गढ़ा निवासी श्री अशोक पाठक (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती चंद्रावती यादव- नर्मदा रोड गोरखपुर निवासी श्री वीरेंद्र बहादुर यादव की धर्मपत्नी श्रीमती चंद्रावती यादव (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री राजू गोपाल दास- मोदीबाड़ा सदर लोहार मोहल्ला निवासी श्री राजू गोपाल दास (66) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू चौधरी- संजय नगर पोलीपाथर निवासी श्री राजू चौधरी (60) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

कु. वंदना कोल- कुलियाना मोहल्ला आमनपुर मदन महल निवासी श्री आनंदी कोल की पुत्री कु. वंदना कोल (20) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति कॉलम से.मी.
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362160

भेड़ाघाट का पुरातत्व संग्रहालय उपेक्षा का शिकार

बेशकीमती विरासत खंडहर में तब्दील, नागरिकों में रोष

भेड़ाघाट। पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के अंदर बना पुरातत्व संग्रहालय वर्षों से बंद पड़ा है और बदहाल हालत में खंडहर जैसा दिखने लगा है। लोहे के दरवाज़े जंग खा चुके हैं, ताले दशकों से नहीं खुले, और संग्रहालय का रखरखाव पूरी तरह ठप है। स्थानीय लोगों का कहना है कि 4 सितंबर 1993 को विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के समय जिला कलेक्टर विवेक टुंडा, सीएमओ दिनेश त्रिपाठी व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में बड़े उत्साह से इसका भूमि-पूजन हुआ था। यह संग्रहालय भेड़ाघाट और आसपास की बेशकीमती पुरातत्व संपदा को संरक्षित करने के उद्देश्य से बनाया गया था, लेकिन आज यह उपेक्षा का प्रतीक बन चुका है। समाजसेवी विजय पांडे का कहना है कि भेड़ाघाट में लोग तभी बोलते हैं, जब व्यक्तिगत लाभ या हानि हो—इसी उदासीनता ने विरासत को नष्ट होने दिया। अमित दुबे (पंचवटी) ने सवाल उठाया कि संग्रहालय में रखी नायाब वस्तुएँ सुरक्षित हैं या नहीं—यह भी जांच का विषय है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद वर्षों से पार्क के मेंटेनेंस पर लाखों रुपये खर्च दिखाती रही, लेकिन संग्रहालय की मरम्मत को लेकर कोई पहल नहीं की गई। नागरिकों और समाजसेवियों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और प्रशासन को आगे आकर इस ऐतिहासिक धरोहर के जीर्णोद्धार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, अन्यथा इतिहास भेड़ाघाट की लापरवाही को माफ नहीं करेगा।

CHANGE OF NAME AND DATE OF BIRTH
I, ARMY NO. JC-387962W RANK SUB NAME SREEKUMAR L S/O LANBODHARAN N OF UNIT 25 IDSR C/O 56 APO I, have changed name and date of birth of my MOTHER from name SANTHA KUMARI and date of birth 01/07/1950 (name and date of birth as per my Army service records) to name SANTHA and date of birth 01/01/1954 (name and date of birth as per my MOTHER, AADHAR CARD NO. 3629 9933 0467 vide affidavit dated 06/12/2025 (date of affidavit) formerly before Public Notary Jabalpur (MP)
CORRECT NAME-SANTHA
INCORRECT NAME SANTHA KUMARI
CORRECT DATE OF BIRTH 01/01/1954
INCORRECT DATE OF BIRTH 01/07/1950

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है।

निवेश का नया ट्रेंड : स्मार्ट निवेशकों की पहली पसंद

गोल्ड ईटीएफ व फंड का धमाल

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब एक ग्राम सोने का 10वां हिस्सा
- इन यूनिट्स को एनएसई और बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकेंगे
- सोना हमेशा से धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा, अब निवेश का तरीका भी बदल गया
- अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरना जरूरी नहीं
- गोल्ड ईटीएफ व फंड निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोला

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

हमारे देश में सोना हमेशा से ही धन और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, लेकिन बदलते समय के साथ सोने में निवेश का तरीका भी बदल रहा है। अब सोने को घर में रखने, सुरक्षा की चिंता करने या मेकिंग चार्ज और जीएसटी भरने की जरूरत नहीं, क्योंकि गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड ने निवेशकों के लिए एक मॉडर्न, आसान और बिना झंझट वाला रास्ता खोल दिया है। कम खर्च, ऑनलाइन ट्रेडिंग की सुविधा और टैक्स के बड़े फायदे इन दोनों को आज के स्मार्ट निवेशकों के बीच सबसे लोकप्रिय विकल्प बना रहे हैं। जानकारों का कहना है कि भारत में सोना सिर्फ निवेश नहीं, बल्कि समृद्धि और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। पहले लोग ज्यादातर जेवर, सिक्के या सोने की ईंटें (बार) खरीदकर ही निवेश करते थे, क्योंकि यही आम तरीका था, लेकिन अब समय बदल गया है। आज ऐसे विकल्प मौजूद हैं, जिनमें न तो सोना घर पर रखने की जरूरत है और न ही सुरक्षा की चिंता रहती है। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड दोनों विकल्प सोने में निवेश को आसान, सुरक्षित, और बिना झंझट वाला बना देते हैं। आप इन्हें शेयर की तरह ही मार्केट के खुले होने पर कभी भी खरीद-बेच सकते हैं।

गोल्ड ईटीएफ में निवेश आसान

गोल्ड ईटीएफ में निवेश करना बहुत आसान होता है। आप इन्हें मार्केट के समय के दौरान तुरंत खरीद या बेच सकते हैं। इन पर लगने वाला सालाना खर्च भी कम होता है, करीब लगभग 0.50%। यह उन लोगों के लिए बेहतर विकल्प है, जो सोने की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव का फायदा लेना चाहते हैं, बिना इस चिंता के कि सोना घर पर कैसे रखें या उसकी सुरक्षा कैसे करें।

क्यों बेहतर हैं गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड

ये सस्ते होते हैं, खरीदना-बेचना आसान है, चोरी या स्टोरेज की चिंता नहीं, फिजिकल गोल्ड के झंझट (मेकिंग चार्ज, जीएसटी, सेफ्टी) पूरी तरह खत्म रहता है। इसके अलावा, आपको सोने का वही पारंपरिक फायदा भी मिलता है, जैसे महंगाई से बचाव, समय के साथ सोने का मूल्य स्थिर रहता है, अगर आप सोने में एक मॉडर्न, सुरक्षित और बिना झंझट वाला तरीका चाहते हैं, तो गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड फंड ऑफ फंड सबसे बेहतर विकल्प नजर आते हैं।

क्या इनकी सबसे बड़ी खासियत

- मेकिंग चार्ज नहीं लगता
- स्टोरेज की कोई दिक्कत नहीं
- चोरी या सुरक्षा की चिंता नहीं
- असली सोने की तुलना में कम खर्चे
- अगर आप सोने में निवेश को सिंपल और एफिशिएंट रखना चाहते हैं, तो ईटीएफ और फंड ऑफ फंड बेहतरीन विकल्प हैं।

एक गोल्ड ईटीएफ का क्या होता है मतलब

- एक गोल्ड ईटीएफ यूनिट का मतलब होता है एक ग्राम सोने का दसवां हिस्सा, जिसे बैंक के सुरक्षित वॉल्ट में रखा जाता है। आप इन यूनिट्स को एनएसईऔर बीएसई जैसी स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीद या बेच सकते हैं।

गोल्ड फंड ऑफ फंड

- अगर आपके पास डीमैट अकाउंट नहीं है, या आप चीजों को और भी आसान रखना चाहते हैं, तो गोल्ड फंड ऑफ फंड अच्छा विकल्प है। ये फंड ज्यादातर पैसा गोल्ड ईटीएफ में ही निवेश करते हैं। मतलब आपको सोने का फायदा मिलता है, पर कोई स्टोरेज या सिक्योरिटी की टेंशन नहीं रहती।

कम पैसों से निवेश की सुविधा

- गोल्ड फंड्स में सिर्फ 500 रुपये प्रति महीना एसआईपी से निवेश शुरू कर सकते हैं। इनके खर्च (एक्सपेंस रेश्यो), ईटीएफ के मुकाबले कुछ ज्यादा होते हैं, कुल मिलाकर करीब 1%, क्योंकि इनमें ईटीएफ का खर्च भी शामिल होता है, लेकिन इसका फायदा यह है कि डीमैट की जरूरत नहीं होती।

शेयर और प्रॉपर्टी से लेकर रिटायरमेंट तक

बेहद कारगर है 7 फीसदी का रूल

- इस नियम से शेयर में नुकसान कम करने में मदद मिलती है
- रिटायरमेंट प्लानिंग और रियल एस्टेट इनवेस्टमेंट में भी करता है सहायता
- निवेश से पहले जान लें तरीका, आंख बंद करके फॉलो न करें कोई नियम

सुझाव
बिजनेस डेस्क

निवेश से जुड़े फैसले करना जितना आसान लगता है, उतना है नहीं। गलत फैसले कभी-कभी पूरी प्लानिंग बिगाड़ देते हैं। इसलिए कई पॉपुलर इनवेस्टमेंट रूल यानी निवेश के नियम इस्तेमाल किए जाते हैं, ताकि फैसले करना आसान हो सके। ऐसा ही एक नियम है "7% रूल" यानी 7% का नियम. यह एक ऐसा रूल है, जिसे शेयर बाजार ट्रेडिंग से लेकर रिटायरमेंट प्लानिंग और रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट तक, इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन ऐसे किसी भी नियम को सिर्फ एक इंडिकेटिव टूल की तरह लेना चाहिए, इन्हें आंख मूंदकर फॉलो करना ठीक नहीं होता।

स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करें फैसला

हालांकि हर शेयर एक जैसा नहीं होता। कुछ ज्यादा उतार-चढ़ाव वाले होते हैं। ऐसे में 7% की जगह कभी-कभी 8-10% की दूरी रखनी पड़ सकती है, जबकि स्टेबल ब्लू-चिप स्टॉक्स के लिए 7% काफी है। यानी रूल वही है, लेकिन उसका इस्तेमाल स्टॉक मार्केट और शेयर की चाल देखकर करना चाहिए।

शेयर बाजार में सात प्रतिशत का रूल

ट्रेडिंग करते समय भावनाओं में बहकर फैसला करना सही नहीं होता। कई बार हमारे स्टॉक्स या निवेश की कीमत गिरती रहती है, लेकिन हम स्टॉप लॉस पर अमल करने की जगह रिकवरी की उम्मीद में इंतजार करते रह जाते हैं। इस चक्कर में कई बार बड़ा नुकसान हो जाता है। स्टॉक मार्केट इनवेस्टमें में 7% रूल का मतलब यह है कि आपने कोई शेयर जिस प्राइस पर खरीदा है, उससे 7% नीचे गिरने पर उसे बेच दें, यानी 7% का स्टॉप लॉस लगाएं, इससे आप अपनी पूंजी को आगे चलकर होने वाले बड़े नुकसान से बचा पाएंगे। यहां 7% की लिमिट इसलिए रखी गई है, क्योंकि आंकड़ों पर आधारित कई रिसर्च में यह पाया गया है कि बाजार में माहौल सामान्य हो, तो कोई शेयर 7-8% से ज्यादा गिरने का मतलब उस कंपनी में कोई गंभीर दिक्कत हो सकता है। यानी यह लेवल एक अलार्म की तरह काम करता है। इस नियम से ट्रेडिंग में डिसिप्लिन आता है और भावनाओं को कंट्रोल करके सही फैसला किया जा सकता है।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल

रिटायरमेंट प्लानिंग करते समय एक बड़ा सवाल ये होता है कि रिटायरमेंट फंड में जमा पैसे कितने साल तक चल पाएंगे? इस सवाल का जवाब देने में भी 7% का रूल इस्तेमाल किया जाता है। यहां इस रूल का मतलब है कि आप अपनी कुल रिटायरमेंट सेविंग का 7% हिस्सा पहले साल में निकाल सकते हैं। यानी अगर आपके पास 1 करोड़ रुपये हैं, तो पहले साल 7 लाख रुपये निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल महंगाई के असर को देखते हुए थोड़ी बढ़ोतरी कर सकते हैं।

रिटायरमेंट प्लानिंग में 7% विदड्रॉल रूल कितना सही

हालांकि रिटायरमेंट प्लानिंग के मामले में 7% विदड्रॉल का रूल बहुत एग्रेसिव माना जा सकता है। अगर कॉर्पस की बची रकम पर रिटर्न थोड़ा कम मिले या बाजार में गिरावट आ जाए तो इतना ज्यादा पैसा निकालना आपके फंड को जल्दी खत्म कर सकता है। खासकर अगर रिटायरमेंट के बाद लंबे समय तक उस फंड पर निर्भर रहना हो। आमतौर पर 4% विदड्रॉल बेहतर और लॉन्ग टर्म के लिए ज्यादा सुरक्षित माना जाता है. यानी 7% रूल को आंख मूंदकर फॉलो करने की जगह निवेश पर मिल रहे रिटर्न और आगे की जरूरतों को ध्यान में रखकर फैसला करना चाहिए।

प्रॉपर्टी सेलेक्शन में 7% रिटर्न का रूल

अगर आप किराये पर देने के लिए प्रॉपर्टी खरीदना चाहते हैं, तो इस रूल से तुरंत अंदाजा लग जाता है कि डील फायदेमंद है या नहीं। इसके अनुसार किसी भी प्रॉपर्टी से एक साल में मिलने वाली रेंटल इनकम प्रॉपर्टी की वैल्यू के कम से कम 7% के बराबर होनी चाहिए। यानी अगर किसी घर या दुकान की कीमत 1 करोड़ रुपये है, तो उससे एक साल में कम से कम 7 लाख रुपये किराया मिलना चाहिए। यह रूल प्रॉपर्टी खरीदते समय अच्छे ऑप्शन की पहचान करना आसान बनाता है।

रूल से सिर्फ मदद लें, फैसला खुद करें

7% रूल शेयर बाजार, प्रॉपर्टी परचेज और रिटायरमेंट जैसे तीन बड़े आर्थिक फैसलों में आपकी मदद कर सकता है, लेकिन हर व्यक्ति की आर्थिक स्थिति, उम्र और जोखिम उठाने की क्षमता अलग-अलग होती है। इसके अलावा मार्केट कंडीशन्स और भविष्य की संभावनाओं पर आधारित आउटलुक भी बदलते रहते हैं, इसलिए इस रूल को समझकर, जरूरत के हिसाब से एडजस्ट करके चलें, निवेश के बारे में सही फैसला तभी ले पाएंगे, जब किसी नियम पर आंख बंद करके यकीन करने की जगह सभी पहलुओं पर विचार करके कदम उठाएंगे।

लग्जरी लाइफ या ईएमआई का मकड़जाल

किसी मुगालते में तो नहीं जी रहे आप

- अमीरी सिर्फ दिखावे की तो नहीं, ये रेड फ्लैग देखकर हो जाएं अलर्ट
- ईएमआई और बीपीएनएल की मदद से अमीरों जैसे दिखने का प्रयास ने करें
- इस तरह तो कर्ज में ही फंसे रहेंगे आप, नहीं मिलेगी कहीं भी राहत
- सैलरी ईएमआई, क्रेडिट कार्ड बिल और उधारी में खत्म होना ठीक नहीं

अगर आप भी सिर्फ दिखावे के लिए लग्जरी लाइफ जी रहे हैं और अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोन और कर्ज पर निर्भर हैं तो सावधान हो जाएं, आप कर्ज के मकड़जाल में फंसते जा रहे हैं। यह आपके जीवन को तबाह कर सकता है। मसलन दिखावे की अमीरी के लिए आप बैंक से लोन ले रहे हैं, बेहताशा क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर रहे हैं या फाइनेंसरों के जाल में फंस रहे हैं तो यह किसी भी नजरिये से ठीक नहीं हैं। सोशल मीडिया पर ट्रैवल फोटो, नई कार, ब्रांडेड फोन और फैशन देखकर लगता है कि बाकी सब लाइफ में मस्त हैं और आप पीछे रह गए हैं। इसके बाद शुरुआत होती है ईएमआई, क्रेडिट कार्ड और बीएनपीएल की दुनिया। यही मुगालता आपको कर्ज में फंसता है और इससे निकलना काफी मुश्किल हो जाता है। चूंकि व्यक्ति एक लोन चुकाने के लिए दूसरा लेता है, फिर तीसरा और एक दिन ऐसा आता है जब कर्ज उतारना ही मुश्किल हो जाता है और यह कर्ज का मकड़जाल व्यक्ति को आत्महत्या करने तक विवश कर देता है।

सतर्कता
बिजनेस डेस्क

फंसते जाएंगे कर्ज के दल-दल में

देखने में यह सब आसान लगता है, लेकिन धीरे-धीरे ये आदत कर्ज के दलदल की तरफ ले जाती है। अगर आप भी बिना सोचे-समझे ऐसी चीजें खरीद रहे हैं जो आपकी सैलरी अफोर्ड नहीं कर सकती, तो यकीन मानिए ये लाइफस्टाइल दिखने में ग्लैमरस है, लेकिन आपके फाइनेंशियल फ्यूचर के लिए बहुत खतरनाक।

एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना

ये बहुत बड़ा अलर्ट है। अगर आप क्रेडिट कार्ड का बिल दूसरे कार्ड से भर रहे हैं, पर्सनल लोन की किस्त बीएनपीएल से दे रहे हैं, दोस्तों से उधार लेकर मिनिमम ड्यू भर रहे हैं तो समझ लीजिए, आप कर्ज के चक्रव्यूह में फंस चुके हैं। समय रहते यदि इस कर्ज के चक्रव्यूह से नहीं निकले तो आपको भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए पहले से ही सावधान हो जाएं और एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज न लें।

ईएमआई में जा रहा सैलरी का 40% या उससे ज्यादा हिस्सा

अगर आपकी सैलरी 60,000 रुपये है, तो ईएमआई 24,000 रुपये से ज्यादा नहीं होनी चाहिए। अगर आपकी रुपये इससे ज्यादा है, तो इसका मतलब है कि आपकी लाइफस्टाइल आपकी सैलरी से बड़ी है, और ये सीधा जोखिम है।

आपके पास 3-6 माह के खर्च जितना इमरजेंसी फंड नहीं

असली अमीरी ब्रांड्स में नहीं, बल्कि इस बात में है कि अगर कल नौकरी चली जाए तो आप बिना उधार लिए जी सकें। अगर आपके पास 3 महीने का खर्च भी सेव नहीं है, तो आपकी 'अमीरी' सिर्फ दिखावा है। इसलिए दिखावे से पहले बचत की आदत डालें।

सैलरी आते ही खत्म हो रही

अगर सैलरी आने से पहले ही तय हो चुका है कि वो ईएमआई, कार्ड और बिलों में चली जाएगी और आपके लिए कुछ नहीं बचेगा, तो ये साफ संकेत है कि आप पे-चेक टू पे-चेक में जी रहे हैं। इसका मतलब है कि आप पैसों को नहीं, पैसे आपको कंट्रोल कर रहे हैं। ऐसे हालात से भी आपका बचना बेहद जरूरी है।

समझदारी
बिजनेस डेस्क

छोटे-छोटे निवेश करके भी तैयार कर सकते हैं बड़ा फंड

अगर आपकी आमदनी कम है और आप बचत करना चाहते हैं तो छोटा सा निवेश करके भी आसानी से 10 लाख रुपये तक का फंड जुटा सकते हैं, इससे आपको परेशानी भी नहीं होगी और आप अपनी जरूरत के हिसाब से फंड जुटा पाएंगे। इसके लिए आपको थोड़ा संयम बरताना होगा और वित्तीय योजना भी बनानी होगी। तभी आप अपने निवेश के मकसद में सफल हो पाएंगे। भविष्य में आने वाली मुश्किलों से बचने के लिए आर्थिक रूप से स्थिर होना बेहद आवश्यक है। कम सैलरी होने पर भी छोटे-छोटे निवेश करके एक बड़ा फंड बनाया जा सकता है। नियमित बचत से भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है। आज के समय में बचत बेहद जरूरी है। जीवन में कभी भी वित्तीय परेशानी आ सकती है। इस वित्तीय परेशानी से आपको बचत ही बचा सकती है, लेकिन कम सैलरी में सेविंग करना मुश्किल है। बहुत से फ्रेशर्स या युवाओं को शुरुआती सैलरी 30 हजार के आसपास मिलती है। लेकिन युवा इस सैलरी में भी आसानी से अपने लिए दस लाख रुपये तक का फंड एकत्र कर सकते हैं। इस रिपोर्ट में हमने कैलकुलेशन के दौरान मासिक सैलरी 30 हजार मानी है। 30 हजार मासिक सैलरी में खर्चों के साथ सेविंग करना मुश्किल है, लेकिन असंभव नहीं।

तीस हजार की सैलरी में भी बना सकते हैं 10 लाख का फंड
■
थोड़ा संयम और सावधानी से करना होगा निवेश
■
नियमित बचत से आप अपना भविष्य कर सकते हैं सुरक्षित

50:30:20 फॉर्मूला अपनाएं

आप सैलरी मैनेज के लिए 50:30:20 फॉर्मूला का इस्तेमाल कर सकते हैं।

- **50 फीसदी**- सैलरी का 50 फीसदी पैसा जरूरी खर्चों के लिए इस्तेमाल करें। 30 हजार सैलरी में आप 15 हजार अपने जरूरी खर्चे जैसे बिजली का बिल, राशन, किराया इत्यादि के लिए कर सकते हैं।

- **30 फीसदी**- इसके साथ ही 30 फीसदी पैसा आप सेविंग के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। 30 हजार रुपये से 9000 हजार रुपये आप सेविंग के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- **20 फीसदी**- बाकी का बचा 20 फीसदी पैसा आप अपने शौक या मनोरंजन के लिए उपयोग कर सकते हैं।
- 30 हजार में आप 6000 रुपये आप मूवी देखना, नए कपड़े लेना इत्यादि ऐसे कामों के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं।

9000 रुपये से कैसे बनाए 10 लाख रुपये का फंड?

जैसे की हमने ऊपर देखा कि आप 30 हजार सैलरी से आसानी से 9000 रुपये बचा सकते हैं। लेकिन आप 9000 रुपये पूरे म्यूचुअल फंड में निवेश न करें। आप इनमें से 5000 रुपये म्यूचुअल फंड और बाकी के 4000 रुपये आरडी या अन्य सुरक्षित स्कीम में निवेश करें। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस बनता है।

म्यूचुअल फंड

- म्यूचुअल फंड में करें 5000 रुपये निवेश
- अगर आप 8 साल के लिए हर महीने 5000 रुपये निवेश करते हैं, तो 12 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको 8,08,000 रुपये मिल जाएंगे। आपका केवल मूलधन ही 4,80,000 रुपये होगा।

आरडी में करें 4000 रुपये

इसी तरह आप एसबीआई की आरडी में 6 साल के लिए हर महीने 4000 रुपये निवेश कर सकते हैं। 7.5 फीसदी रिटर्न के हिसाब से आपको मैच्योरिटी पर 3,64,580 रुपये मिल जाएंगे। इस तरह से आप 8 साल में ही 10 लाख रुपये का फंड आसानी से बना सकते हैं।

जानकारी
बिजनेस डेस्क

क्रेडिट स्कोर को बढ़ाने के 5 आसान और असरदार तरीके

अगर आप भी अपना सिबिल स्कोर सुधारना चाहते हैं तो कुछ तरीकों को अपनाना होगा। तभी आप इसे दुरूस्त कर सकते हैं। सिबिल स्कोर आपकी वित्तीय जिम्मेदारी का आईना होता है। इसे बढ़ाने के लिए बिल समय पर चुकाएं, क्रेडिट का कम इस्तेमाल करें, बार-बार लोन न लें, अलग-अलग प्रकार के क्रेडिट रखें और रिपोर्ट नियमित चेक करें। इन आसान आदतों से आपका स्कोर मजबूत होगा और लोन आसानी से मिलेगा। क्या आप जानते हैं कि आपका सिबिल स्कोर आपके पैसे की जिम्मेदारी दिखाता है? यह सिर्फ नंबर नहीं, बल्कि आपकी वित्तीय आदतों का आईना है। एक अच्छा स्कोर होने से आप लोन या क्रेडिट कार्ड आसानी से पा सकते हैं और कम ब्याज दर का फायदा उठा सकते हैं। आइए उन आसान तरीकों के बारे में जानते हैं कि कैसे आप अपना सिबिल स्कोर बढ़ा सकते हैं और अपने वित्तीय भविष्य को मजबूत बना सकते हैं। सबसे जरूरी है कि आप अपने सभी बिल (ईएमआई , क्रेडिट कार्ड) समय पर चुकाएं। देर से पेमेंट करने से आपका स्कोर गिर सकता है। इसके लिए आप रिमाइंडर सेट कर सकते हैं या ऑटो-पे ऑप्शन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

क्रेडिट का कम इस्तेमाल करें

अपने क्रेडिट कार्ड की पूरी लिमिट इस्तेमाल करना सही नहीं है। कोशिश करें कि आप अपनी लिमिट का केवल 30% ही इस्तेमाल करें। इससे बैंक और लोन देने वाले यह समझेंगे कि आप पैसे जिम्मेदारी से खर्च करते हैं।

बार-बार लोन के लिए न करें आवेदन

जब आप बार-बार नया लोन या क्रेडिट कार्ड के लिए आवेदन करते हैं, तो यह आपके स्कोर पर असर डाल सकता है। इसलिए जरूरत पड़ने पर ही आवेदन करें और ज्यादा बार आवेदन न करें।

अलग-अलग प्रकार के क्रेडिट रखे

एक अच्छा क्रेडिट प्रोफाइल बनाने के लिए सिक्योर्ड लोन (जैसे होम लोन, कार लोन) और अनसिक्योर्ड लोन (जैसे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड) दोनों होना चाहिए। यह दिखाता है कि आप अलग-अलग तरह के लोन को संभाल सकते हैं।

क्रेडिट रिपोर्ट समय-समय करें चेक

अपनी क्रेडिट रिपोर्ट को हर कुछ महीनों में देखें। अगर कोई गलती या डुप्लिकेट अकाउंट हो तो तुरंत सुधार कराएं। सही जानकारी होने से आपका स्कोर सुरक्षित रहता है।

क्या है क्रेडिट स्कोर

क्रेडिट स्कोर एक संख्या होती है जो आपकी क्रेडिट योग्यता को दर्शाती है। यह संख्या आपके पिछले क्रेडिट व्यवहार, जैसे कि लाने-देने की समय परता, क्रेडिट कार्ड का उपयोग, लाने-देने की मात्रा, और अन्य कारकों पर आधारित होती है। क्रेडिट स्कोर की रेंजभारत में क्रेडिट स्कोर की रेंज आमतौर पर 300 से 900 तक होती है। ज्यादा स्कोर अच्छा माना जाता है।

- **750 से ऊपर**: अच्छा क्रेडिट स्कोर (लाने-देने की अच्छी संभावना)
- **700-749**: औसत से अच्छा
- **600-699**: औसत
- **600 से नीचे**: खराब क्रेडिट स्कोर (लाने-देने में दिक्कत)

क्रेडिट स्कोर को प्रभावित करने वाले कारक

1. पेमेंट हिस्ट्री (35%): समय पर बिल और ईएमआई का भुगतान।
2. क्रेडिट यूटिलाइजेशन (30%): क्रेडिट कार्ड की सीमा का कितना उपयोग किया।
3. क्रेडिट हिस्ट्री की लंबाई (15%): क्रेडिट खाते कितने पुराने हैं।
4. क्रेडिट मिक्स (10%): विभिन्न प्रकार के क्रेडिट (कार लाने, होम लाने, क्रेडिट कार्ड)।
5. नए क्रेडिट एप्लिकेशन (10%): बार-बार लाने के लिए आवेदन करना।

क्रेडिट स्कोर क्यों महत्वपूर्ण है?

- **लाने-देने की मंजूरी**: अच्छा स्कोर होने पर लाने आसानी से मिलते हैं।
- **कम ब्याज दर**: अच्छा स्कोर होने पर ब्याज दर कम मिलती है।
- **क्रेडिट कार्ड ऑफर**: अच्छे स्कोर पर बेहतर क्रेडिट कार्ड मिलते हैं।

रखें ध्यान

- क्रेडिट कार्ड की सीमा का 30% से कम उपयोग करें।
- अनावश्यक क्रेडिट कार्ड बंद करें।
- बार-बार लाने के लिए आवेदन न करें।
- क्रेडिट रिपोर्ट में गलतियां होने पर सुधार करें।

सेना की वर्दी पहने नजर आए सलमान खान

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चाओं में हैं। लद्दाख में फिल्म की शूटिंग पूरी करने के बाद टीम ने मुंबई में भी अपना एक शेड्यूल पूरा कर लिया है। शूटिंग के दौरान सलमान की कुछ फोटोज भी सामने आई हैं। अब इन दिनों सलमान और चित्रांगदा की एक और तस्वीर शूटिंग से वायरल हो रही है। सोशल मीडिया पर सलमान खान और चित्रांगदा सिंह की एक तस्वीर वायरल है। यह तस्वीर 'बैटल ऑफ गलवान' की शूटिंग के सेट से ही है। इस तस्वीर में सलमान और चित्रांगदा दोनों ही भारतीय सेना की वर्दी में नजर आ रहे हैं।

लाइफ Style

सान्या

बनीं बेस्ट एक्ट्रेस, फेस्ट में मिला सम्मान

एजेंसी ⏭ मुंबई

हाल ही में बॉलीवुड हंगामा ओटीटी इंडिया फेस्ट और इंडिया एंटरटेनमेंट अवॉर्ड्स का आयोजन हुआ था। इस इवेंट में ओटीटी और फिल्म जगत के कुछ बड़े नामों को सम्मानित किया गया। इस दौरान अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा ने फिल्म 'मिसेज' में बेस्ट एक्ट्रेस का खिताब जीता।

खुशी जाहिर करते हुए अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें पोस्ट कीं, जिनके साथ उन्होंने लिखा,"आपकी लड़की ने 'मिसेज' का खिताब जीत लिया। मैं आप सभी के प्यार की बहुत-बहुत आभारी हूं, जिसने हमारी फिल्मों पर प्यार बरसाया। फिल्म 'मिसेज' को इस तरह से अपनाने के लिए आप सभी का तहे दिल से धन्यवाद।" सान्या की इस पोस्ट पर फैंस और सेलेब्रिटीज की बधाइयों की बौछार हो रही है। अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने हार्ट इमोजी से प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री सान्या, जिन्होंने आमिर खान की फिल्म दंगल से अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2025 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'मिसेज' ने दर्शकों में गहरी छाप छोड़ी थी। इसने मनोरंजन करने के साथ-साथ एक गहरा संदेश भी दिया था। फिल्म की कहानी शादी करके ससुराल पहुंची महिला के रोजमर्रा की जिंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दिखाया गया है कि ऋचा नाम की एक महिला अपने परिवार के साथ-साथ सपनों को भी पूरा करना चाहती है, लेकिन ससुराल में बने नियम-कानूनों के कारण वह सिर्फ घर के कामों में फंस जाती है। फिल्म के आखिर में वह इन बंधनों को तोड़कर अपने सपनों को पूरा करके जीवन की शुरुआत करती है।

हॉलीवुड मसाला

वार्नर ब्रदर्स... खरीदने की घोषणा

न्यूयॉर्क। हॉलीवुड के सबसे जाने-माने स्टूडियोज में से एक, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी को नेटफ्लिक्स ने खरीदने की घोषणा कर दी है। नेटफ्लिक्स के इस कदम ने मनोरंजन जगत में खलबली मचा दी है, क्योंकि वार्नर ब्रदर्स अपने आप में बड़ा नाम है और अब नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर काम करने से दर्शकों को और अच्छा कंटेंट देखने को मिल सकेगा। नेटफ्लिक्स ने लगभग 82.7 अरब डॉलर की डील के साथ वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूबीडी) को खरीदा है। ये दोनों कंपनियां मिलकर वैश्विक स्तर पर मनोरंजन जगत की बड़ी कंपनी बनकर उभरेंगी।

केली की जिंदगी रोशनी और सन्नाटे की दास्तान

लॉस एंजेलिस। हॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा ग्रेस केली की जिंदगी किसी परीकथा की तरह शुरू हुई और एक ट्रैजेडी पर आकर थम गई। उनकी कहानी उस रोशनी और सन्नाटे की दास्तान है, जिसमें एक अभिनेत्री अपनी कला, अपनी इच्छाओं, अपनी पहचान और अपने भाग्य के बीच लगातार संघर्ष करती रही। फिलाडेल्फिया में 12 नवंबर 1929 को जन्मी ग्रेस को मंच से लगाव था। उन्हें लगता था कि कैमरा उनके सामने आते ही दुनिया थोड़ी शांत हो जाती है। अभिनय उनके लिए शौक नहीं, एक तरह का सुकून था—एक जगह जहां वे खुद को संपूर्ण महसूस करती थीं। यही भावना उन्हें बॉडवे से हॉलीवुड लेकर आई और वहीं से उनका सितारा इतनी तेजी से चमका कि मात्र कुछ वर्षों में वे दुनिया की सबसे चर्चित और सम्मानित अभिनेत्रियों में शामिल हो गईं।

तू मेरी मैं तेरा का गाना हम दोनों रिलीज

मुंबई। फिल्म के हाई-एनर्जी पार्टी एंथम के बाद अब सारेगामा, धर्मा प्रोडक्शंस और नमाह पिक्चर्स के साथ मिलकर दर्शकों को एक दिल छू लेने वाला, चुलबुला और रोमांटिक ट्रैक 'हम दोनों' तोहफे में दे रहा है। पार्टी के शोर-शराबे से दूर, यह गाना रे और रूमी की मासूम, शरारती और सोलफुल केमिस्ट्री को खूबसूरती से दिखाता है। ये गाना दो दिलों के करीब आने की कहानी को इतने प्यारे तरीके से पेश करता है कि ये हर मॉडर्न लेकिन दिल से ओल्ड स्कूल आशिक की प्लेलिस्ट में शामिल होने वाला है। इस गाने को अपनी जादुई आवाज़ दी है शेखर, विशाल ददलानी और श्रुति पाठक ने, जबकि इसका संगीत तैयार किया है सुपरहिट जोड़ी विशाल और शेखर ने। प्यार में डूबी इन लाइनों को लिखा है अन्विता दत्त ने और स्क्रीन पर इस खूबसूरत केमिस्ट्री को सजाया है।

डकैत के किरदार में डूब गए अक्षय...

मुंबई। फिल्म धुरंधर में अक्षय खन्ना ने लयारी के माफिया रहमान डकैत का रोल अदा किया है। उन्होंने इस किरदार को इतनी खूबसूरत से निभाया है कि एक पल के लिए दर्शक भूल ही जाते हैं मानो ये अक्षय खन्ना हैं। साथ ही उनका लुक भी दमदार है। इस फिल्म में अक्षय खन्ना की अदाकारी का ही कमाल है कि फिलहाल सोशल मीडिया पर उनके नाम की चर्चा हो रही है और उन्हें खूब सर्च किया जा रहा है। इस साल फरवरी में रिलीज हुई विक्की कौशल की फिल्म 'छावा' में अक्षय खन्ना ने औरंगजेब का रोल निभाकर तारीफें लूटी थीं। मगर, वह तो सिर्फ झांकी थी, असली रंग तो उन्होंने 'धुरंधर' में जमाया है। फिल्म में उन्हें स्क्रीन स्पेस भी काफी अच्छा मिला है, तो वे खूब लाइमलाइट लूट ले गए हैं। आलम ये हो गया है कि अक्षय दर्शकों की फेवरेट लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

टीवी मसाला

सारा-कृष ने हिंदू- मुस्लिम रीति-रिवाज से की शादी

मुंबई। सारा खान और कृष पाठक ने इस साल अक्टूबर मे विशेष विवाह अधिनियम, 1954 के तहत कोर्ट मैरिज की थी। अब कपल ने रीति-रिवाज के साथ शादी रचाई है। सारा और कृष ने हिंदू और मुस्लिम दोनों रीति-रिवाज के साथ शादी की है। पहले कपल ने निकाह किया, फिर हिंदू रीति-रिवाज के साथ विवाह किया। शादी की खूबसूरत फोटोज कपल ने फैंस के साथ शेयर की हैं। सारा खान और कृष पाठक ने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत की है। कोर्ट मैरिज के बाद कपल ने अब निकाह और विवाह करके एक-दूजे का हाथ थामा है। एक संयुक्त इंस्टाग्राम पोस्ट में शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए कपल ने लिखा है, 'क़ुबूल है से सात फेरे तक..., हमारे प्यार ने अपनी खुद की एक स्क्रिप्ट लिखी है और हमारी दोनों दुनियाओं ने कहा-हां'। बता दें कि कृष पाठक अभिनेता सुनील लहरी के बेटे हैं। सुनील लहरी को 1980 के दशक के लोकप्रिय टेलीविजन धारावाहिक 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका के लिए जाना जाता है। अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए, कृष पाठक ने अभिनय में कदम रखा। उन्होंने 'पीओडब्ल्यू- बंदी युद्ध के' और 'ये झुकी झुकी सी नजर' जैसे धारावाहिकों में अभिनय किया।

प्रियंका ने जाह्नवी के संदेश का किया समर्थन

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में 'वी द विमेन' मंच से जाह्नवी कपूर का प्रभावशाली वीडियो शेयर कर उनके विचारों को खुलकर सराहा। इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस क्लिप को री-पोस्ट करते हुए प्रियंका ने लिखा, "बातचीत से शुरुआत होती है, तो मैं भी शामिल होती हूं। प्रियंका ने जाह्नवी के बेबाक और सच्चे विचारों की जमकर तारीफ की। यह वीडियो बरखा दत्त के प्रमुख प्लेटफ़ॉर्म 'वी द विमेन' का है, जो देशभर की महिलाओं की आवाज़, उनकी पहचान, महत्वाकांक्षाओं और सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा करने के लिए जाना जाता है। क्लिप में जाह्नवी कपूर बेहद साफगोई से स्त्रीत्व, समाज की अपेक्षाओं और "समानता" के असली मायनों पर बात करती दिखाई देती हैं। वह बताती हैं कि महिलाओं के अनुभवों को समझना और स्वीकारना कितना जरूरी है, बजाय इसके कि समानता को सिर्फ एक सतही अवधारणा तक सीमित कर दिया जाए। पीले रंग के आकर्षक आउटफिट में नजर आ रहीं जाह्नवी के स्पष्ट और आत्मविश्वास से भरे विचार दर्शकों के साथ गहराई से जुड़े और इन्हीं विचारों ने प्रियंका चोपड़ा को उन्हें अपने प्लेटफ़ॉर्म पर साझा करने के लिए प्रेरित किया।

पुलकित ने किया चंकी के प्रति सम्मान जाहिर

मुंबई। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी रिलीज फिल्म 'राहु केतु' के को-स्टार और अनुभवी अभिनेता चंकी पांडे के प्रति जिस तरह सम्मान जताते हुए सराहना के शब्द कहे, उससे पूरा माहौल भावनात्मक हो गया। अपने काम के प्रति चंकी पांडे के समर्पण और जुनून की बातें साझा करते हुए पुलकित ने कहा, "पहली नजर में चंकी सर को सेट पर आकर सीन करते देखना केकवॉक जैसा लगता है, लेकिन सच तो यह है कि वो उस सीन को परफेक्ट बनाने के लिए इतनी मेहनत करते हैं कि हमें सामने खड़े होने में शर्म आने लगती है। यकीन मानिए उनकी मेहनत देखकर हम खुद पेन-पेपर लेकर बैठ जाते हैं कि और क्या किया जा सकता है।" सीनियर एक्टर चंकी पांडे के साथ अपनी पहली फिल्म का अनुभव साझा करते हुए पुलकित ने यह भी कहा कि उनके साथ हर दिन ऐसा लगता था जैसे वे किसी स्कूल या किसी यूनिवर्सिटी में आ गए हों और बस सीखते ही जा रहे हैं।

हाथ से कढ़े गाउन में बिखेरी ग्लैमर की चमक

मुंबई। कभी-कभी फैशन कपड़े और कढ़ाई से आगे बढ़कर एक कहानी बन जाता है और काशिका कपूर का यह लुक बिल्कुल वैसा ही एक पल है। काले रंग के दिलकश गाउन में, जिस पर बारीकी से की गई चांदी की कढ़ाई सितारों की तरह चमक रही थी, काशिका ने ओल्ड-हॉलीवुड की एलिगेंस और आधुनिक जादू का ऐसा मिश्रण रचा कि नजरें ठहर जाएं। उनका गाउन, पूरी तरह तराशा हुआ, उनके व्यक्तित्व के साथ ऐसे बहता है जैसे उनके इर्द-गिर्द रोशनी की नदी बह रही हो। हर पैटर्न, हर चमक उनके हर कदम के साथ जीवंत हो उठती है। हर तस्वीर मानो किसी सदाबहार फिल्म का स्थिर फ्रेम लगती है,संजीदा, खूबसूरत और बेमिसाल शालीनता से भरा हुआ। लेकिन इस लुक की असली खूबसूरती काशिका की मौजूदगी है। वह सिर्फ गाउन नहीं पहनतीं, वह उसे जीवन दे देती हैं। जब उनके हाथ नरम, बैले-सी मुद्रा में ऊपर उठते हैं और ठोड़ी हल्के-से प्रकाश की ओर झुकती है, तो पूरा माहौल एक मंच की तरह महसूस होने लगता है। उनके मुलायम कर्ल्स, नाजुक और सुरुचिपूर्ण ज्वेलरी, और मेकअप की हल्की, चमकती आभा - सब मिलकर एक ऐसा रूप रचते हैं जो एक साथ क्लासिक भी है और खगोलीय भी।

ओटीटी पर मनोरंजन का सैलाब! रिलीज हुई सात नई फिल्में और सीरीज....

मुंबई। इस वीक कई नई फिल्में और सीरीज अलग-अलग ओटीटी स्ट्रीमिंग प्लेटफ़ॉर्म पर रिलीज होने वाली हैं। इनमें रोमांटिक फिल्मों से लेकर डार्क साइकोलॉजिकल थ्रिलर और हॉरर फिल्में और सीरीज तक सब कुछ शामिल है। आप वीकेंड पर इनका मजा ले सकते हैं, इस कड़ाके की सर्दी में अपने घर पर आराम से चाय की चुस्की लेते हुए।

जे. केली - नेटफ्लिक्स : जॉर्ज क्लूनी और एडम सैंडलर स्टारिंग यह कॉमेडी एक बूढ़े फ़िल्म स्टार की कहानी बताती है, जो अपने डेडिकेटेड मैनेजर के साथ यूरोप की ट्रिप पर निकलता है। फ़िल्म में फ़्लैशबैक का इस्तेमाल किया गया है क्योंकि दोनों अपनी ज़िंदगी के फ़ैसलों और रिश्तों के बारे में सोचते हैं। आप इसे इस वीक नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

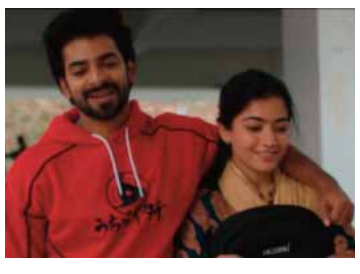

द गर्लफ्रेंड - नेटफ्लिक्स : रश्मिका मंदाना और दीक्षिता शेट्टी की क्रिटिक्स द्वारा सराही गई फ़िल्म "द गर्लफ्रेंड" को थिएटर में दर्शकों से ज़बरदस्त रिस्पॉन्स मिला। नेटफ्लिक्स ने डिजिटल राइट्स ले लिए हैं, जिससे दर्शक घर पर फ़िल्म का मज़ा ले सकते हैं। फ़िल्म 5 दिसंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई।

द ग्रेट प्री-वेडिंग शो - जी5 : तिरुवीर-स्टारर "द ग्रेट प्री-वेडिंग" को इसकी दिल को छू लेने वाली गांव की कहानी के लिए बहुत तारीफ

मिली थी। थिएटर में पॉजिटिव रिस्पॉन्स के बाद, जी5 ने डिजिटल राइट्स ले लिए हैं। फ़िल्म 5 दिसंबर, से जी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है।

डाइस एरा - जियो हॉटस्टार : राहुल सदाशिवन द्वारा डायरेक्टेड और प्रणव मोहनलाल स्टारिंग, डाइस एरा एक इंटेंस, सस्पेंस और डरावनी कहानी पेश करती है। जियो हॉटस्टार ने ओटीटी राइट्स ले लिए हैं, जिससे फिल्म दर्शकों के लिए कई भाषाओं में उपलब्ध हो गई है। जियो हॉटस्टार पर 5 दिसंबर से स्ट्रीमिंग शुरू हो गई है।

स्टीफन - नेटफ्लिक्स : स्टीफन एक एंटरटेनिंग तमिल थ्रिलर है, जिसमें गोमती शंकर, माइकल थंगादुरई और स्मृति वेंकट स्टारिंग हैं। यह अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज के लिए तैयार है। नेटफ्लिक्स ने स्ट्रीमिंग राइट्स ले लिए हैं, जिससे फिल्म सीधे दर्शकों तक पहुंच सकेगी।

कुट्टराम पुरिंधवन - सोनी लीव : कुट्टराम पुरिंधवन एक तमिल क्राइम थ्रिलर है। पशुपति भास्कर नाम के एक पुलिस ऑफिसर का रोल कर रहे हैं, जो एक मुश्किल केस की इन्वेस्टिगेशन में फंस जाता है। यह 5 दिसंबर को सोनीलीव पर स्ट्रीम हुई है।